[This question paper contains 4 printed pages.]

3440

Your Roll No. .....

LL.B. / V Term **BS**

Paper LB-502 – JURISPRUDENCE – I (NC)

(Theory of Law)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any **Five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Examine critically the Austinian concept of Law. Discuss the concepts of sovereignty and Independent political society as explained by Austin with the help of examples. (20)

P.T.O.

ऑस्टिन की विधिविषयक संकल्पना की समीक्षात्मक जांच कीजिए। ऑस्टिन द्वारा यथानिरूपित संप्रभुता तथा स्वतंत्र राजनीतिक समाज की संकल्पनाओं का विवेचन सोदाहरण कीजिए।

2. What is the pure theory of Law ? Examine critically the assumption that, 'the Grundnorm should have minimum of effectiveness.' (20)

विधि का विशुद्ध सिद्धान्त क्या है ? इस अवधारणा की समीक्षात्मक जांच कीजिए कि 'मूल सन्नियमों की प्रभाविता न्यूनतम होनी चाहिए।'

3. Discuss Hart's criticism of Austin's theory. How is the Rule of Recognition different from Kelsen's Grundnorm as an ultimate hypothesis validating the other legal norms ? (20)

हार्ट की ऑस्टिन के सिद्धान्त की आलोचना का विवेचन कीजिए। मान्यता सम्बन्धी नियम अन्य विधिक सन्नियमों को विधिमान्य करने वाली अंतिम प्राक्कल्पना के रूप में केलसन के मूल सन्नियम से किस प्रकार भिन्न है ?

4. (a) What are the chief components of Savigny's thesis ?

(b) Critically discuss Maine's dictum that, 'the movement of progressive societies has hitherto been a movement from status to contract'. (20)

(क) सेविग्नी के सिद्धान्त के मुख्य घटक क्या हैं ?

(ख) मैने की इस अभ्युक्ति का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए -

'प्रगतिशील समाजों का अब तक संचलन प्रास्थिति से संविदा तक का संचलन रहा है।'

5. What is the aim of Social engineering ? In the face of India's complex and diversified society and social institutions, how can Pound's scheme of interests and balancing metaphor be suitably applied in judicial methods and legal administration. Explain. (20)

सामाजिक इंजीनियरी का क्या उद्देश्य होता है ? भारत के जटिल तथा विविधरूपी समाज तथा सामाजिक संस्थाओं को देखते हुए पाउन्ड के हितों तथा सन्तुलनकारी रूपक की स्कीम को न्यायिक पद्धतियों और विधि क प्रशासन में उपयुक्त रूप में किस प्रकार लागू किया जा सकता है। स्पष्ट कीजिए।

6. (a) What do you understand by 'natural law with a variable content'.

(b) Explain Rawl's 'Principles of Priority'.

(10×2=20)

(क) "भिन्न अन्तर्वस्तु वाली नैसर्गिक विधि" से आप क्या समझते हैं ?

(ख) रॉल के "पूर्विकता के सिद्धान्त" की व्याख्या कीजिए।

7. Tired of domestic abuse a 23 year old girl jumped into a well alongwith her child of 2 years in order to commit suicide. After sometime when they were pulled out, the child was found dead but the girl survived. She is tried for the murder of her child as well as attempt to commit suicides. Discuss in the light of Explorer's case. (20)

घरेलू अवचार से तंग होकर एक 23 वर्षीय लड़की ने आत्म-हत्या करने के लिए अपने 2 वर्ष के शिशु के साथ कुएं में छलांग लगा दी। कुछ समय बाद जब उन्हें बाहर निकाला गया तब बच्चे को मृत पाया गया किन्तु लड़की जीवित बच गई। उस पर अपने बच्चे की हत्या तथा आत्महत्या करने के प्रयास के लिए विचारण किया गया। एक्सप्लोरर के केस को ध्यान में रखते हुए विवेचन कीजिए।

8. Explain any **two** :

(a) Positivism

(b) Law as a dynamic system of norms

(c) Dworkin's critique of Hart's legal positivism (10×2=20)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :-

(क) निश्चयवाद

(ख) सन्नियमों की गतिशील प्रणाली के रूप में विधि

(ग) हार्ट के विधिक निश्चयवाद की ड्वारकिन की मीमांसा